REVISION MATERIAL संशोधन सामग्री

तालिका भरें

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
नदी और साबून	कविता	----------
----------	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा
हाथी के साथी	----------	मिलानी

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
----------	कहानी	स्वयंप्रकास
प्रिय डाक्टेर्सस	----------	पुनत्तिल कुञ्ञब्दुल्ला
महत उद्देश्य की प्रतिमा	साक्षात्कार	---------
----------	कविता	मैथली शरण गुप्त

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
---------	कविता	भगवत रावत
आदमी का बच्छा	----------	यशपाल
----------	एकपात्रीय नाटक	नादिरा ज़हीर बब्बर

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
मुफ्त में ठगी	कविता	----------
भारतीय संस्कृती में गुरु शिष्य संबन्ध	-----	आनन्द शंकर माधव
----------	कहानी	उषा प्रियंवदा

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
नदी ओर साबून	.....	आनेन्द्रपती
गौरा	.....	महादेवी वर्मा
.....	घटना	मिलानी

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
बाबुलालतेली की नाक	----------	स्वयंप्रकास
प्रिय डाक्टेर्स	उपन्यास का अंश	----------
महत उद्देश्य की प्रतिमा	----------	आशाकृष्णकुमार
मनुष्यता	कविता	----------

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
वह तो अच्छा हुआ	----------	भगवत रावत
----------	कहानी	यशपाल
सकुबाई	एकपात्रीय नाटक	----------

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
मुफ्त में ठगी	----------	रामकुमार आत्रेय
भारतीय संस्कृती में गुरु शिष्य संबन्ध	लेख	---------
वापसी	-------	उषा प्रियंवदा

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
----------	कविता	आनेन्द्रपती
गौरा	रेखाचित्र	----------
हाथी के साथी	घटना	----------

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
बाबुलाल तेली की नाक	कहानी	----------
----------	उपन्यास का अंश	पुनत्तिल कुञ्ञब्दुल्ला
----------	साक्षात्कार	आशाकृष्णकुमार
मनुष्यता	----------	मैथली शरण गुप्त

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
वह तो अच्छा हुआ	----------	भगवत रावत
----------	कहानी	यशपाल
सकुबाई	एकपात्रीय नाटक	----------

पाठ	प्रोक्ती	रचयिता
----------	कविता	रामकुमार आत्रेय
----------	लेख	आनन्द शंकर माधव
वापसी	कहानी	----------

२.क्रमबद्ध करके लिखना

गौरा

- महादेवीजी अपनी छोटी बहन श्यामा के घर से बछिया को लाई
- .....
- गाय का नामकरण किया
- .....

[एक वर्ष के उपरान्त गौरा एक वत्स की माता बनी, परिचितो और परिचारको ने गाय का स्वागत किया]

- गौरा एक वत्स की माता बनी
- ----------
- दुग्ध दोहन ऐक समस्या बन गयी
- ----------

[ग्वाला ने गोरा का दूध दुहने का ज़िम्मा अपने ऊपर ले लिया, दूध का महोत्सव शुरू हुआ]

- गौरा खाना बहूत कम खाने लगी
- ----------
- चिकित्सक इस फैसले पर पहूँचा कि गोरा को किसी ने सुई खिला दी है
- ----------

[सुई की बात का पता लगते ही ग्वाला लापता हो गया, पशु चिकित्सक से सलाह ली

गई]

- गौरा का स्वास्थ्य बिगडता रहा।
- .....
- चिकित्सको के इलाज ओर दवा दारू भी गोरा को बचा नहीं सके।
- .....

[आखिर गौरा अंन्तिम सांस ली, महादेवी के कंधे पर अपना मुख रखती, जीभ से गर्दन चाटती]

- गौरा ने एक बछिया को जन्म दिया
- .....
- सब उसे लालू पुकारते थे
- .....

[उसका नाम लालमणी रखा गया, तभी घर में दुग्ध महोत्सव आरंभ हुआ]

- गौरा ने दाना–चारा खाना बहूत कम कर दिया
- .....
- पशु चिकित्सको ने उसका परीक्षण निरीक्षण किया
- .....

[तभी मालुम हुआ कि उसे सुई खिला दी गई है, वह उत्तरोत्तर दुर्बल और शिथिल रहने लगी]

- महादेवी वर्मा के घर एक ग्वाला दूध देता था
- .....
- उसने गुड़ में लपेटकर उसे सुई खिला दी
- .....

[इससे गौरा की असमय मृत्यु हुई, घर में गाय का आना उसे अच्छा नहीं लगा]

- महादेवी वर्मा गौरा के निकट जा बैठी
- .....
- उसने उसके कंधे परआपना मुख रख दिया
- .....

[गौरा की आँखो में प्रसन्नता की छाया तैरने लगी, फिर आपनी खुरदरी जीभ से उनका गर्दन चाटने लगी]

हाथी के साथी

- मनुष्य जंगल काटने लगे
- .....
- हाथी नज़दीक के गाँवो में घुसे
- .....

[हाधियो ने खेत और घर बरबाद कर डाले, हाथी बेघर हो गये]

- लोगो ने जंगल काटना शुरू किया
- .....
- बिजली के झटके से एक हाथी मर गया
- .....

[गाँववाले हाथी की लाश पर हमला करने लगा, हाथी ने गाँव के खेत और घर बरबाद कर डाले]

- बिजली के झटके से हाथी मर गया
- .....
- लोग लाठी, कुल्हाडी और चाकु से मारने लगे
- .....

[हाथी के दाँत तोड लिए गये, ग्रामवासियो को गुस्सा उतारने का मौका मिला]

- .....
- हाथी का पैर तारो पर पडा।
- .....
- वह मर गया।

[उसे बिजली का झटका लगा, बिजली का तार ज़मीन पर गिरे थे]

- .....
- गाँववालो ने उसपर अपना गुस्सा उतारा
- .....
- उसके दाँत निकाल गये

[लाश को वही छोडकर चले गये, बिजली के झटके से हाथी मरा]

- हाथी की लाश जंगल में पडी रही
- .....
- उसने लाश की रखवाली की
- .....

[फिर एक गड्ढे में उसे दफनाया, हाथी का झुंड वहाँ आया]

- एक हाथी तोरपा ब्लोक पहूँचा
- .....
- लोग मरे हाथी के दाँत निकाले
- .....

[हाथियो का झुंड लाश को दफनाया, बिजली के झटके से हाथी की मौत हुई]

बावुलाल तेली की नाक

- बलिष्ठ व्यक्ति ने बाबुलाल तेली की नाक पर घूँसा जड दिया

- .....
- बाबुलाल तेली रूमाल से नाक पकडकर रिसेप्शन पहूँचा
- .....

[रिसेप्शन पर एक लडकी बैठी थी, बाबुलाल तेली की नाक से खून बहने लगा]

- .....
- रूमाल से नाक पकडे–जकडे बाबुलाल तेली रिसेप्शन पहूँचा
- .....
- लालुराम तेली के अस्पताल पहूँचा

[कम्प्यूटर से बना एक सुन्दर सा बिल बाबुलाल तेली को पकडा दिया, बलिष्ठ व्यक्ति ने बाबुलाल तेली की नाक पर घूँसा जड दिया]

- बाबुलाल तेली निकट के लालुराम तेली के अस्पताल पहूँचे।
- .....
- लोकल एनेस्थेशिया दिया गाया।
- .....

[लालुराम ने बाबुलाल तेली के चेहरे का ध्यानपूर्वक मुआयन किया, नाक को काटा गया और अंदर–बाहर से सी दिया]

- .....
- बाबुलाल तेली नाक के विशेषज्ञ के निकट गया।
- .....
- .दाहिने नाथूने की विशेषज्ञ पल्लेरोज़ आने को कहा।

[बाएँ नाथूने की विशेषज्ञ सेमिनार में भाग लेने के लिए अमरिका गये थे, बाबुलाल तेली लिफ्ट की लाईन में खडे हो गये]

- बाबुलाल तेली की हालत जानकर सहकर्मी आ गया।
- .....

- बाबुलाल तेली की जवाब सुनकर सहकर्मी उदास हो गये।
- .....

[वे निराश होकर चले गये, सरकारी अस्पताल ले जाने का प्रस्ताव रखा]

- बाबुलाल तेली रूमाल से नाक पकडकर रिसेप्शन पहूँचा।
- .....
- बाबुलाल तेली लिफ्ट की लाईन में खडे हो गये।
- .....

[बाबुलाल तेली लालुराम के अस्पताल पहूँचे, सातवे माले पर विशेषज्ञ थे]

- बलिष्ठ व्यक्ति एक आदमी को पीट रहा था।
- .....
- बाबुलाल तेली ने इसका विरोध किया।
- .....

[बलिष्ठ व्यक्ति ने उसकी नाक पर घूँसा जड दिया, बाबुलाल तेली ने इसका विरोध किया]

- .....
- लालुराम ने तुरंत ही बाबुलाल तेली की नाक का आपरेशन किया।
- .....
- सातवे दिन डा. लालुराम ने बाबुलाल को फौरन बंबई ले जाने का निर्देश दिया।

[बह बाबुलाल तेली के अस्पताल पहूँचे, तीसरे दिन उसकी हालत बिगड गई]

<u>प्रिय डाक्टेर्स</u>

- .....
- अधिकांश चेहरो पर घबराहट थी।
- .....

- छात्र तेज़ी से भीतर जाकर बैठ गए।

[वर्दीधारी चपरासी और दो ट्यूटर आ पहूँचे, मेडिको अनाटमी हाल के सामने खडे हो गए]

- प्रो.डी.कुमार ने हर एक छात्र का निरीक्षण किया।
- .....
- .....
- देवदास को लगा कि एक आँधी उभरी और थम गई।

[वे अपने चशमे का काँचा चमकने लगा, उन्होने प्रिय डाक्टेर्स संबोधन से अपना भाषण शुरु किया]

- देवदास डिसेक्शन हाल में पहूँचा।
- .....
- उसने वहाँ एक बडी टांकी देखी।
- .....

[उसमें कई लाशे पडी थी, उसके नथूनो में तेज़ बदबू घुसी]

- .....
- छात्र अपनी अपनी जगह खडे हो गए।
- प्रो.डी.कुमार कक्षा में आए।
- .....

[प्रो.डी.कुमार हर एक छात्र का निरीक्षण करने लगे, ट्यूटर महोदय रजिस्टर लेकर हाज़िरी लेने लगे]

- देवदास डिसेक्शन हाल में पहूँचा।
- .....
- उसने वहाँ एक बडी टंकी देखी।
- .....

[उसमें लाशें पडी थी, उसके नथूनो में तेज़ बदबू घुसी]

- .....
- ट्यूटरो के हाथो में मोटी–मोटी पोथियाँ थी।
- चपरासी ने कमरा खोला।
- .....

[छात्र भीतर जाकर बैठ गए, चपरासी और दो ट्यूटर आ पहूँचे]

आदमी का बच्चा

- कुत्तिया ने पिल्ले दिये।
- .....
- पिता ने पिल्लो को मरवा दिया।
- .....

[इसपर डौली बहूत दुखी हुई, डौली उन पिल्लो के साथ खेलती थी]

- डौली मानेजर के घर से लौट रही थी।
- .....
- वह अपने नये बच्चे को कोरे कपडे में लपेट लिए जा रहा था।
- .....

[उसके पीछे मालिन रोती चली आ रही थी, रास्ते में उसने माली को देखा]

- .....
- डौली को अकेलापन महसूस होती।
- डौली पिल्लो के साथ खेलना पसंद करती।
- .....

[डौली को माली के बच्चो के साथ खेलने से मना करती है, पिल्लो को गरम पानी में डूबोकर मरवा देते]

- बग्गा साहब के घर में विचित्र नस्ले की कुतिया थी।
- .....
- कुतिया ने पिल्ले दिये।

- .....

[साहब ने मेहत्तर से पिल्लो को मरवा दिया, नए आनेवालो की दृष्टि उसकी ओर आकर्षित होती थी]

- डौली को माली के बच्चो के साथ खेलने से मना करती है।
- .....
- मानेजर साहब के बच्चो के साथ डौली को खेलने भेजती ।
- .....

[डौली को अकेलापन महसूस होती, माली के बच्चे की मृत्यु से डौली दुखी होती है]

<u>सकुबाई</u>

- सकुबाई की दादी की मृत्यु हुई।
- .....
- .....
- उसकी मदद के लिए सकुबाई को भी ले गये।

[वे सकुबाई की माँ को अपने साथ ले गये, नानी और मामा बंबई से आये]

<u>वापसी</u>

- अवकाश प्राप्त गजाधर बाबु घर वापस आया।
- .....
- गजाधर बाबु को चीनी मिल में नौकरी मिल गयी।
- .....

(नरेन्द्र बडी तत्परता से बिस्तर बाँधा और रिक्शा बुला लाया, गजाधर बाबु ने नौकर को छुडा दिया)

- गजाधर बाबु घर के वातावरण से परेशान थे।
- .....
- उन्हे रामजीमल की चीनी मिल में नौकरी मिली।

- .....

(वे घर छोडकर कहीं जाना चाहता था, वे घर छोडकर चले गये)

- गजाधर बाबु सेवानिवृत होकर घर लौट आना।
- .....
- बेटे और बहु के क्रोध का शिकार बनना।
- .....

(चीनी मिल में नौकरी के लिए जाना, नौकर को घर से निकालना)

चरित्रगत विशेषता

चुनकर लिखे

महादेवी वर्मा

- पशुपक्षियो से प्रेम करनेवाली।
- जीवजंतुओ से क्रूर व्यवहार करनेवाली।
- पशु पालन में उपयोगितावाद को न माननेवाली।

बाबुलाल तेली

- अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठानेवाला।
- दूसरो को तकलीफ देनेवाला।
- अपनी हालत से दुखी।

बाबुलाल तेली

- अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठानेवाला।
- दूसरो की मदद करनेवाला।

- डरपोक।

लालुराम तेली

- साहसी।
- जल्दबाजी और बेपरवाही।
- भ्रष्टाचारी।

बलिष्ठ व्यक्ति

- अत्याचारी।
- परोपकारी।
- अहंकारी।

सेठजी

- पत्नी से प्रेम रखनेवाला।
- धन पर मोह रखनेवाला।
- मुफ्त में चिकित्सा देनेवाला।

प्रो.डी.कुमार

- सारी दुनिया को डाक्टर का परिवार माननेवाला।
- आडंबर जीवन बितानेवाला।
- सब का आदर करनेवाला।

प्रो.डी.कुमार

- गरीबो की सेवाकरनेवाला।
- मरीज़ो को खिलौना समझनेवाला।
- मरीज़ो से सहानुभूती रखनेवाला।

प्रो.डी.कुमार

- सब का आदर करनेवाला।
- नास्तिक।

- सारी दुनिया को अपना परिवार माननेवाला।

डौली

- छोटे–बडे का भेद–भाव न रखनेवाली।
- अशिक्षित गरीबो को हीन दृष्टि से देखनेवाली।
- जानवरो से ममता रखनेवाली।

डौली

- नादान और जिज्ञासु।
- क्रूर।
- जीव जंतुओ से प्यार रखनेवाली।

आया बिंदी

- अपनी हालत पर दुखी।
- उच्चवर्ग के परिवार के साथ रहने से खुश।
- असहाय।

मिसेज़ बग्गा साहब

- निम्नवर्ग के लोगो के साथ घृणा का भाव रखनेवाली।
- पशु पक्षियो को प्यार करनेवाली।
- नौकरो के बच्चो के साथ खेलना पसंद न करनेवाली।

सकुबाई

- मज़बूत शरीरवाली।
- कडी मेहनत करनेवाली।
- परिवार की चिंता न रखनेवाली।

गामा

- शिष्य को पुत्र के समान प्यार करनेवाली।
- भारतीय संस्कृति से अनभिज्ञ।
- अपनी शक्ति पर गर्व न रखनेवाला।

गजाधरबाबु

- स्नेह का आदमी।
- परिवार के साथ रहने का इच्छुक।
- दूसरो पर हमेशा क्रोध प्रकट करनेवाला।

गजाधरबाबु

- घरवालो के मनोविनोद में भाग लेना चाहते थे।
- स्नेही व्यक्ति और स्नेह के आकांक्षी थे।
- हमेशा अकेले रहना चाहते थे।

गजाधरबाबु

- स्नेही व्यक्ति।
- अपनी हालत पर खुश।
- परिवार से प्रेम करनेवाला।

<u>पारिभाषिक शब्दावली</u>

मोहन post office गया।उसने वहाँ से Inland letter card और Stamp खरीदे।

[अंतर्देशीय पत्र कार्ड, डाक–टिकट, डाक घर]

Office से ज़ारी किए जानेवाले Circular पर Seal लगाना अनिवार्य है।

[डाक–टिकट, मोहर, कार्यालय, परिपत्र]

मोहनदास office पहूँचा। दरवाज़े के ऊपर एक संकेत–पट देखा। उसमें लिखा था Manager। उसने दरवाज़े के पास जाकर पूछा– May I come in।
[क्या मैं आपकी मदद करूँ, प्रबंधक, कार्यालय, क्या मैं अंदर आऊँ]

राम Telecommunication के दफ्तर पहूँचा। वहाँ एक अफसर Telephone पर

किसी से बातें कर रहे थे। उनकी मेज़ पर Computer चालु रखा था।
[संगणक, दूरभाष, दूरसंचार, अंतर्जाल]

अविनाश घर बैठे Internet पर कुछ ज़रूरी काम कर रहा था। तब उसका दोस्त Office से आया। अपने काम में Interruption आने से वह नाखुश थे।
[डाक घर, कार्यालय, रुकावट, अंतर्जाल]

सुनिल Telecommunication विभाग के Clerk था। बीमार होने के कारण उसे Intensive Care Unit में प्रवेश किया।
[दूरभाष, लिपिक, गहन चिकित्सा कक्ष, दूरसंचार]

लल्लु पिताजी के साथ Hospital पहूँचा। Vaccination का सारा प्रबंध Laboratory में किया गया जो Intensive Care Unit के पास ही था।
[टीकाकरण, गहन चिकित्सा कक्ष, अस्पताल, प्रयोगशाला]

गोपाल साईकिल से बाज़ार जा रहा था। वह साईकिल से गिरा और चोट लगी। डॉक्टर ने blood की test करने का निर्देश दिया। उसके बाद bandage करके medicine दिया।
[जाँच, दवा, खून, पट्टी]

मैं Reservation के लिए रेलवे स्टेशन गया। वहाँ Information centre के सामने लिखा था May I help you। मैने बहाँ जाकर Enquiry की।
[सूचना केंद्र, क्या मैं आपकी मदद करूँ, पूछताछ, आरक्षण]

Life Insurance Corporation के साथ मिलकर सरकार ने Health

Insurance की जो योजना शुरू की है। उस से आम आदमी बहूत प्रभावित हो गये है।सिर्फ Medical Certificate देकर चिकित्सा का खर्च वसील किया जा सकता है।

[चिकित्सा प्रमाण पत्र, जीवन बीमा निगम, स्वास्थ्य बीमा, टीकाकरण]

Intensive Care Unit में लेटे–लेटे आनंद Operation के बारे में सोच रहा था। तब Temperature की जाँच के लिए नर्स आ गयी।

[शल्यक्रिया, प्रयोगशाला, शल्यक्रिया, तापमान]

Account खोलने के लिए आदर्श ने आवेदन के साथ Pay–in–slip भरकर Clerk को सौप दिया। लेकिन उन्होने Manager से मिलने को कहा।

[खाता, लिपिक, खाता संख्या, प्रबंधक, जमापर्ची]

रमेश Cancellation के बारे में सोच रहा था। लेकिन दोस्त ने मना करते हुए कहा कि तुमने Reservation किया है, पूरी तैयारी भी की है, तो तुम्हें परीक्षा के लिए जाना ही चाहिए। यात्रा के दिन Sleeper में उसे Emergency Exit के पास की सीट मिली।

[आरक्षण, रद्दीकरण, निकास, आपतकालीन निकास, शयनयान]

सुनिल : Manager साहब आए क्या ?
Clerk : क्या काम है ? बताइए
सुनिल : मुझे एक नया खोलना है।
Clerk : यह Application Form भरकर दीजिए।

[लिपिक, अंदर्देशीय पत्र कार्ड, प्रबंधक, आवेदन पत्र]

सही मिलान

Registered letter	:	डाक घर
Interruption	:	डाक टिकट
Post Office	:	दूरभाष
All India Radio	:	पंजीकृत पत्र
Stamp	:	रुकावट
Telecommunication	:	अंतर्जाल
Telephone	:	दूरसंचार
Television	:	आकाशवाणी
Internet	:	दूर्दशन

पोस्टर

अवयवदान के महत्व का संदेश देनेवाला पोस्टर।

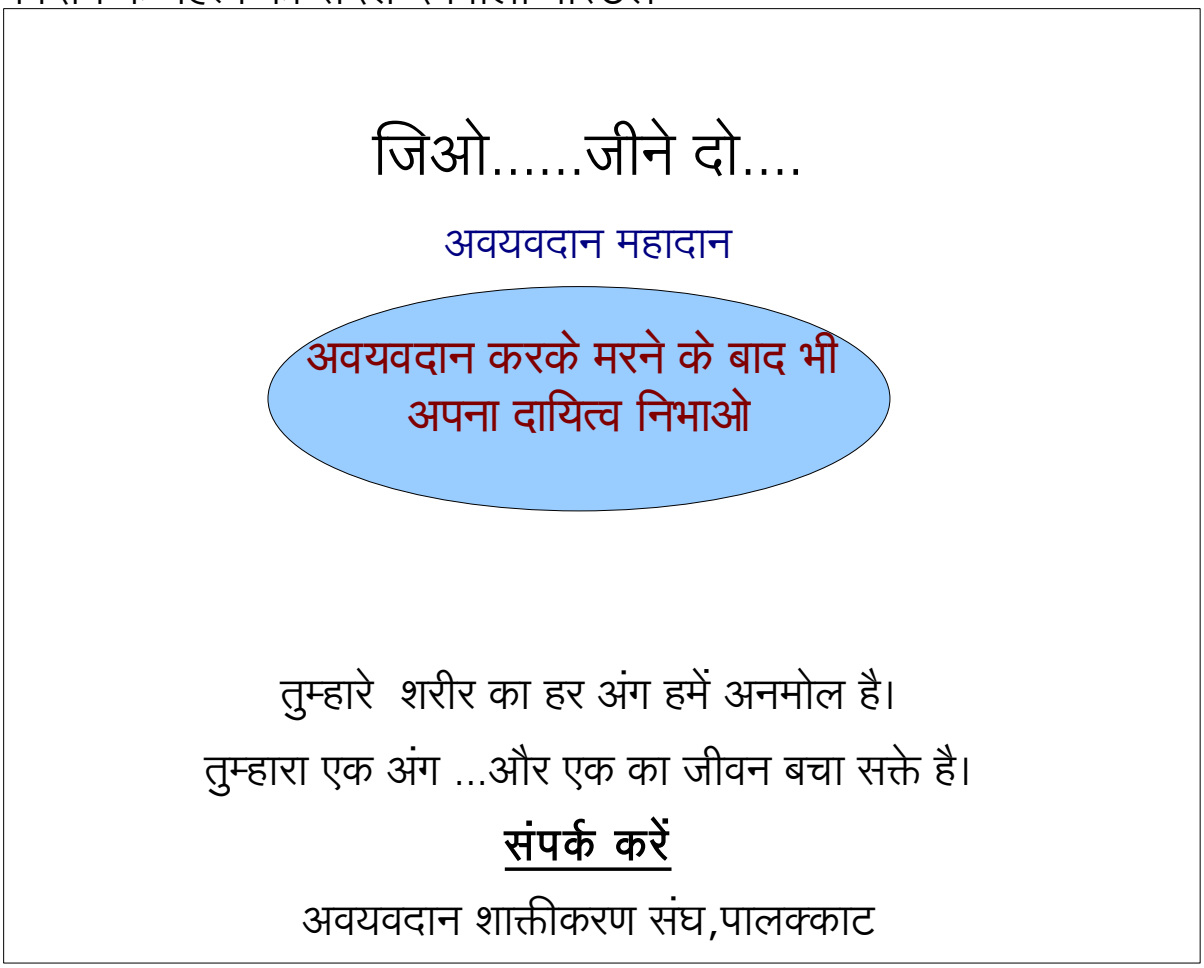

डायरी–रूपरेखा

दिनांक.....

आज कैसा दिन है! जीवन भर मुझे आज की यादें आएँगी। ... .

..... ---------

--------- .....

पत्र –रूपरेखा

स्थान.....

तारीख.....

प्रिय मित्र(संबोधना)

आप कैसे हैं?घर में सब कुशल से है न?..... .....

.....

.....

.....

शेष बातें अगले पत्र में। आप के पत्र की प्रतीक्षा में...

तुम्हारा मित्र

हस्ताक्षर

नाम

सेवा में

.....

जीवनी

नीचे दिए जीवन वृत के आधार पर श्री.ओ.एन.वी.कुरुप्प की जीवली तैयार करें।

नाम	:	ओ.एन.वी.कुरुप्प
पूरा नाम	:	ओलपिलाक्कल नारायण वेलुक्कुरुप्प
जन्म	:	27 मई 1931 , कोल्लम के चवरा में
माता–पिता	:	लक्ष्मिक्कुट्टी, ओ.एन.कृष्णक्कुरुप्प
शैक्षिक योग्यताएँ	:	बी.ए., एम.ए
कार्यक्षेत्र	:	अध्यापन और साहित्य
प्रमुख रचनाएँ	:	अम्मा, गोतन्पुमणिकल, भूमिक्कोरु चरमगीतम,..
पुरस्कार	:	ज्ञानपीठ, पद्मश्री, ओटक्कुषल आदि।

कुछ सूचनाएँ.....

नाम (शीर्षक)

मलयालम साहित्य जगत के विख्यात साहित्यकार.....
का पूरा नाम.....है।उनका जन्म.....
.....को.....में हुआ।उनके माता–पिता का नाम.....
.....है।उनकी शैक्षिक योग्यता.....है।उनका
कर्मक्षेत्र.....है।उनकी प्रमुख कचनाएँ.....है
उनको.....पुरस्कार भी मिले थे।

आत्मकथा

मेरी कहानी

मैं मलयालम के साहित्यकार.....हूँ। मेरा पूरा नाम.....है। मेरा जन्म.....को.....में हुआ। मेरे माँ–बाप..... और .....है। मेरी शैक्षिक योग्यता.....है। मैं .....और .....हूँ। मेरी प्रमुख रचनाएँ.....है। मुझे.....पुरस्कार मिले थे।

वार्तालाप

डौली सकूल से वापस आकर कुते के पिल्लो को खोजती है । आया और डौली के बीच का वार्तालाप।

डौली : आया..आया.....

आया : हाँ, डौली कया..... है?

डौली : पिले ..... है?

आया : पिललो को मानेजर साब के यहाँ ले गये है।

डौली : .....आयेगे?

आया : शाम .....।

डौली : सच है?

आया : .....।